जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज
संस्कृत विभाग
2024- 25

कार्यशाला	शिक्षण प्रविधि कार्यशाला - भारतीय सौंदर्यशास्त्र
वक्त्री	प्रो. सरस्वती,संस्कृत विभाग,जाकिर हुसैन महाविद्यालय
दिनांक	**22** जनवरी, **2025**
समय	**12:00** दोपहर
स्थान	समिति कक्ष

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय संस्कृत विभाग तथा जेडीएमसी आईक्यूएसी के संयुक्त तत्त्वावधान" में भारतीय सौंदर्यशास्त्र विषय पर 22 जनवरी,2025 को दोफर 12 बजे शिक्षण प्रविधि कार्यशाला का आयोजन किया गया । जिसमें वक्त्री के रुप में प्रो. सरस्वती, संस्कृत विभाग, जाकिर हुसैन महाविद्यालय,दिल्ली विश्वविद्यालय से आमंत्रित किया गया । कार्यक्रम का आरम्भ मंगलाचरण से किया गया। विभागाध्यक्षा डॉ . ज्योति महोदया के द्वारा अतिथि के स्वागत एवं परिचय के पश्चात कार्यशाला का आरंभ किया गया है। महोदया ने बी.ए. के पाठ्यक्रम में पढ़ाए जाने वाले पत्र "भारतीय सौंदर्यशास्त्र" के विभिन्न इकाइयों से संबंधित आवश्यक बिंदुओं की सरल, रुचिपूर्ण ढंग सेअत्यंत महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की, निश्चित रुप में यह कार्यशाला विभाग के सभी शिक्षकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुई। कार्यक्रम के अंत में ऐसोसिएशन प्रभारी डॉ. हर्षबाला नें सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया और कल्याण मंत्र के साथ सफलतापूर्वक कार्यक्रम का समापन किया गया ।

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय

(दिल्ली विश्वविद्यालय

IQAC के सयुंक्त तत्त्वावधान में

संस्कृत विभाग

द्वारा आयोजित

शिक्षण प्रविधि कार्यशाला

विषय : भारतीय सौंदर्यशास्त्र

प्रो. सरस्वती
संस्कृत विभाग
जाकिर हुसैन महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय

स्थान - समिति कक्ष

22/01/2025, 12 :00 बजे

डॉ. हर्षबाला	डॉ. ज्योति	प्रो. पायल नागपाल	प्रो. स्वाति पाल
(एसोसिएशन प्रभारी)	(विभाग प्रभारी)	(IQAC, समन्वयक)	(प्राचार्या)

Janki Devi Memorial College

(Delhi University)

Under the aegis of IQAC

Sanskrit Department

presents

Pedagogy workshop for faculty

on

Indian Aesthetics

Prof. Saraswati
Sanskrit Department
Zakir Hussain College
University of Delhi

VENUE – COMMITTEE ROOM

22/01/2025, 12 PM

Dr. Harsh Bala	Dr. Jyoti	Prof. Payal Nagpal	Prof. Swati Pal
(Association In-Charge)	(Teacher In-Charge)	(IQAC Coordinator)	(Principal)

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय
(दिल्ली विश्वविद्यालय
IQAC के सयुंक्त तत्त्वावधान में
संस्कृत विभाग
द्वारा आयोजित
शिक्षण प्रविधि कार्यशाला
विषय : भारतीय सौंदर्यशास्त्र
प्रो. सरस्वती
संस्कृत विभाग
जाकिर हुसैन महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय
22/01/2025, 12:00 बजे

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्या
(दिल्ली विश्वविद्यालय
IQAC के सयुंक्त तत्त्वावधान में
संस्कृत विभाग
द्वारा आयोजित
शिक्षण प्रविधि कार्यशाला
विषय : भारतीय सौंदर्यशा
प्रो. सरस्वती
संस्कृत विभाग
जाकिर हुसैन महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय
22/01/2025, 12

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
Main Campus, Janki Devi Memorial College, J.d.m.c Rd,
Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, 110001, India
Lat 28.641998° Long 77.191428°
22/01/25 12:43 PM GMT +05:30
Google

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय
संस्कृत विभाग
शिक्षण प्रशिक्षण कार्यशाला
भारतीय सौंदर्यशास्त्र
GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
Main Campus, Janki Devi Memorial College, J.d.m.c Rd,
Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, 110001, India
Lat 28.641742° Long 77.191262°
22/01/25 02:31 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
Main Campus, Janki Devi Memorial College, J.d.m.c Rd,
Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, 110001, India
Lat 28.641943° Long 77.191421°
22/01/25 02:38 PM GMT +05:30
Google

व्याख्यान	आत्मविश्वास योग साधना का प्रथम सोपान है।
वक्त्री	डॉ. पुनीता शर्मा,सह- प्राध्यापक,श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय
दिनांक	**26** नवम्बर, **2024**
समय	**12:00** दोपहर
स्थान	कक्ष संख्या **17**

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय संस्कृत विभाग तथा जेडीएमसी पूर्व छात्र संघ के संयुक्त तत्त्वावधान “आत्मविश्वास योग साधना का प्रथम सोपान है” विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्यअतिथि एवं वक्त्री के रूप में डॉ. पुनीता शर्मा, सह-प्राध्यापक,संस्कृत विभाग,श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम का आरम्भ मंगलाचरण से किया गया। वक्त्री महोदय के स्वागत के उपरांत “आत्मविश्वास योग साधना का प्रथम सोपान है" विषय पर व्याख्यान दिया गया। महोदया ने योग एवं आत्मविश्वास को परिभाषित कर बताया- आत्मविश्वास ही योग साधना का प्रथम सोपान है । महोदया का व्याख्यान अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ, उनके विचारों से उपस्थित सभी आचार्य और विद्यार्थी अत्यन्त प्रभावित हुए। प्रश्नोत्तर सत्र में छात्राओं ने अत्यंत उत्साहपूर्वक भाग लिया और महोदया ने उनके अत्यंत गम्भीर एवं उपयोगी प्रश्नों का उत्तर देकर उनका ज्ञानवर्धन किया। अन्त में संगठन प्रभारी डॉ. हर्षबाला महोदया ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया और शांति मंत्र के साथ कार्यक्रम का सफलता पूर्वक समापन किया गया।

जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज
(दिल्ली विश्वविद्यालय)
संस्कृत विभाग
(आई. क्यू. ए. सी. के तत्वावधान में)
जे.डी.एम.सी पूर्व छात्र संघ
के सहयोग से
पूर्व छात्रा वार्ता पर आप सभी को
आमंत्रित करता है
आत्मविश्वास योगसाधना का प्रथम सोपान है
वक्ती:
डॉ. पुनीता शर्मा
सह - प्राध्यापक
श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय
सम्मेलन कक्ष
26 नवंबर,2024
12:00 01:00 बजे
प्रो. संध्या गर्ग (अध्यक्ष, जे.डी.एम.सी पूर्व छात्र संघ)
प्रो. अनुपमा राजपूत
डॉ. श्वेता (इवेंट समन्वयक, जे.डी.एम.सी पूर्व छात्र संघ)
डॉ. हर्षबाला (एसोसिएशन प्रभारी)
डॉ. ज्योति (विभागाध्यक्षा)
प्रो. पायल नागपाल (आईक्यूएसी समन्वयक)
प्रो. स्वाति पाल (प्रधानाचार्य)
10:24 pm

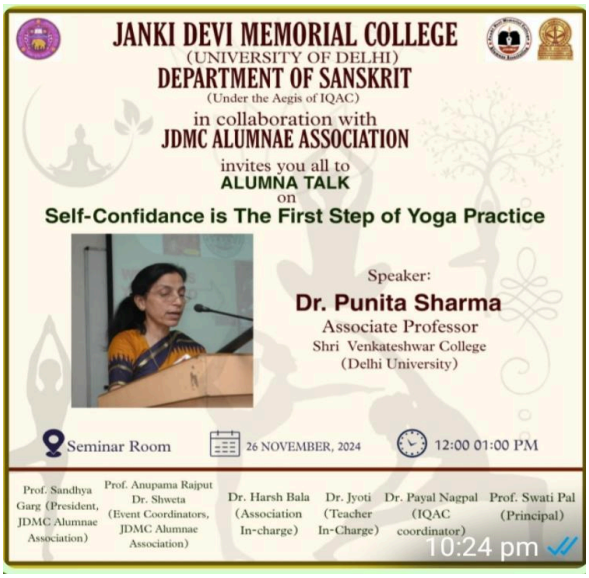
JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE
(UNIVERSITY OF DELHI)
DEPARTMENT OF SANSKRIT
(Under the Aegis of IQAC)
in collaboration with
JDMC ALUMNAE ASSOCIATION
invites you all to
ALUMNA TALK
on
Self-Confidance is The First Step of Yoga Practice
Speaker:
Dr. Punita Sharma
Associate Professor
Shri Venkateshwar College
(Delhi University)
Seminar Room
26 NOVEMBER, 2024
12:00 01:00 PM
Prof. Sandhya Garg (President, JDMC Alumnae Association)
Prof. Anupama Rajput
Dr. Shweta (Event Coordinators, JDMC Alumnae Association)
Dr. Harsh Bala (Association In-charge)
Dr. Jyoti (Teacher In-Charge)
Dr. Payal Nagpal (IQAC coordinator)
Prof. Swati Pal (Principal)
10:24 pm

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
Main Campus, Janki Devi Memorial College, J.d.m.c Rd, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, 110001, India
Lat 28.642062° Long 77.1915°
26/11/24 12:25 PM GMT +05:30
Google

DO NOT TAKE OUT CHAIRS & DESKS FROM CLASSROOMS
DO NOT DISTURB SEATING ARRANGEMENTS OF CLASSROOMS
GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
Staff Quarters, Janki Devi Memorial College, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, 110060, India
Lat 28.642393° Long 77.1915°
26/11/24 12:26 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
Staff Quarters, Janki Devi Memorial College, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, 110060, India
Lat 28.642393° Long 77.1915°
26/11/24 12:35 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
Main Campus, Janki Devi Memorial College, J.d.m.c Rd, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, 110001, India
Lat 28.641974° Long 77.191452°
26/11/24 01:56 PM GMT +05:30
Google

कार्यक्रम	नवागंतुक स्वागत समारोह

दिनांक	**27** सितम्बर, **2024**
समय	**11:15** प्रात:
स्थान	कक्ष संख्या **39** ए

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय संस्कृत विभाग द्वारा 27 सितंबर,2024 को प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए नव आगंतुक अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभाग की सभी छात्राएँ, महाविद्यालय की प्रधानाचार्य प्रो.स्वाति पाल महोदया, विभागाध्यक्षा डॉ. ज्योति महोदया, संगठन प्रभारी डॉ. हर्षबाला, वरिष्ठ महोदया डॉ. तनुजा रावल तथा डॉ. रविदत्त शर्मा उपस्थित रहे । प्राचार्य महोदया ने छात्राओं का अत्यंत प्रेमपूर्वक हार्दिक स्वागत किया तथा छात्राओं को महाविद्यालय के विषय में बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की । विभागाध्यक्षा महोदया ने प्रथम वर्ष की छात्राओं के स्वागत के साथ संस्कृत विशेष के पाठ्यक्रम संबंधी विषयों की जानकारी प्रदान की। । संस्कृत विभाग की द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की छात्राओं द्वारा प्रथम वर्ष की छात्राओं का स्वागत किया गया और नवागंतुक छात्राओं हेतु अनेक गतिविधियों का आयोजन कर उनका मनोरंजन किया । प्रथम वर्ष की छात्राओं ने भी अन्त में सबका धन्यवाद ज्ञापित किया और कल्याण मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE
Delhi University
SANSKRIT DEPARTMENT
Welcomes first year students

JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE
SANSKRIT DEPARTMENT

JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE
SANSKRIT DEPARTMENT
Welcomes first year students
FRESHER'S ORIENTATION PROGRAMME

कार्यक्रम	दीक्षारंभ सत्र **(Deeksha Aarambh)**
दिनांक	**17** सितम्बर, **2024**
समय	**11:45** प्रात:
स्थान	कक्ष संख्या **39** ए

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय संस्कृत विभाग द्वारा प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए 17 सितंबर, 2024 को दीक्षारंभ सत्र का आयोजन किया गया। विभाग की सभी छात्राएँ, विभागाध्यक्ष डॉ. ज्योति महोदया, संगठन प्रभारी डॉ. हर्षबाला एवं डॉ. राजेंद्र कुमार उपस्थित रहे । विभागाध्यक्षा महोदय ने प्रथम वर्ष की छात्राओं के स्वागत के साथ विभाग सदस्यों अध्यापकों का परिचय दिया। महोदया ने संस्कृत विशेष प्रथम वर्ष की छात्राओं को पाठयक्रम सम्बन्धित विषयों की महत्वपूर्ण सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की तथा महाविद्यालय सम्बंधित जानकारी प्रदान की। डॉ. हर्षबाला महोदया ने बी.ए प्रोग्राम संस्कृत की छात्राओं को संस्कृत माइनर और संस्कृत मेजर पाठ्यक्रम संबंधी जानकारी प्रदान की और अन्त में धन्यवाद के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
MAIN CAMPUS, JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE, J.D.M.C Rd, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, 110001, India
Lat 28.642092°
Long 77.191798°
17/09/24 12:00 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
MAIN CAMPUS, JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE, J.D.M.C Rd, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, 110001, India
Lat 28.64204°
Long 77.191808°
17/09/24 12:02 PM GMT +05:30
Google

कार्यक्रम	व्याख्यान- वर्तमान परिपेक्ष्य में जीवन मूल्य (अखिल भारतीय संस्कृति विदुषी सम्मेलन रजत जयंती वर्ष)
वक्त्री-	प्रो. अंजू सेठ प्राचार्य,सत्यवती महाविद्यालय
दिनांक	**9** सितम्बर**, 2024**
समय	**2.00 - 4.30** अपराह्न
स्थान	सभागार कक्ष

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय के संस्कृत विभाग एवं संस्कृत भारती के संयुक्त तत्वाधान में अखिल भारतीय संस्कृति विदुषी सम्मेलन रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में 9 सितंबर 2024 को दोफर 2.00 बजे “वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जीवन मूल्य” विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्त्री प्रो.अंजू सेठ प्राचार्य,सत्यवती महाविद्यालय और मुख्य अतिथि प्रो. कमला भारद्वाज, अखिल भारतीय उपाध्यक्ष,संस्कृत भारती को आमंत्रित किया गया । कार्यक्रम का प्रारंभ मंगलाचरण से किया गया। अतिथियों के स्वागत एवं अभिनंदन के उपरांत व्याख्यान का प्रारम्भ किया गया । प्रो.अंजू सेठ महोदया ने छात्राओं को बताया कि कैसे हमें अपने जीवन के मूल्यों को अपनाकर सकारात्मक तरीके से जीवन पालन करना चाहिये, उन्होने अपने परिवार,समाज और अपने देश को संस्कृति के विकास के लिये सदा प्रयासरत रहने का संदेश देकर छात्राओं का उत्साह वर्धन किया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि प्रो. कमल भारद्वाज महोदया ने अपने उद्बोधन से सभी का ज्ञानवर्धन किया। कार्यक्रम के अंत में सभी के धन्यवाद ज्ञापन के उपरांत कल्याण मंत्र के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया गया ।

JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI
A+ accredited by NAAC
Department of Sanskrit & Sanskrit Bharti
jointly organise a special lecture on the occasion of
"AKHIL BHARTIYA SANSKRIT VIDUSHI SAMMELAN RAJAT JAYANTI VARSH "
life Values in contemporary perspective
Chief Guest
Prof. Kamla Bhardwaj
National Vice President
Sanskrit Bharti
Speaker
Prof. Anju Seth, Sanskrit Department, Principal, Satyawati College (D) Delhi University
Chair & Patron
Prof. Swati Pal
Principal, JDMC
Delhi University
Venue : Seminar Room
Date : 9 September, 2024
Time : 2:00 - 4:30 PM
DR. INDU SONI
DR. HARSH BALA
DR. RAJENDER KUMAR
DR. RAVIDUTT SHARMA
COORDINATORS
DR. NEELAM GAUR
MEMBER, SANSKRIT BHARTI
CO-COORDINATOR
DR. JYOTI
TEACHER INCHARGE
PROF. PAYAL NAGPAL
IQAC COORDINATOR
PROF. SWATI PAL
PRINCIPAL

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय
NAAC द्वारा A+ प्रत्यायित
संस्कृत विभाग एवं संस्कृत भारती
के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित विशिष्ट व्याख्यान
"अखिल भारतीय संस्कृत विदुषी सम्मेलन रजत जयंती वर्ष" के उपलक्ष्य में
वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जीवन मूल्य
मुख्य अतिथि
प्रो. कमला भारद्वाज
अखिल भारतीय उपाध्यक्ष
संस्कृत भारती
मुख्य वक्त्री
प्रो. अंजु सेठ
संस्कृत विभाग, प्राचार्या सत्यवती महाविद्यालय (प्रातः)
दिल्ली विश्वविद्यालय
अध्यक्षा एवं संरक्षिका
प्रो. स्वाति पाल
प्राचार्या, जे.डी.एम.सी
दिल्ली विश्वविद्यालय
स्थान - सेमिनार कक्ष
दिनांक - 9 सितम्बर, 2024
समय - 2:00 से 4:30 अपराह्न
डॉ. इंदु सोनी
डॉ. हर्षबाला
डॉ. राजेंद्र कुमार
डॉ. रविदत्त शर्मा
संयोजक गण
डॉ. नीलम गौड़
महिला गण सदस्य
दिल्ली प्रान्त , संस्कृत भारती
सह - संयोजक
डॉ. ज्योति
विभागाध्यक्षा
प्रो. पायल नागपाल
IQAC समन्वयक
प्रो. स्वाति पाल
प्राचार्या

JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE
विद्या हि परम ज्योति
GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
Staff quarters, JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, 110060, India
Lat 28.64224°
Long 77.191802°
09/09/24 03:16 PM GMT +05:30
Google

JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE
विद्या हि परम ज्योति
GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
Staff quarters, JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, 110060, India
Lat 28.642299°
Long 77.191828°
09/09/24 03:42 PM GMT +05:30
Google

Republic of Uzbekistan Oriental University
GPS Map Camera
Google
Delhi, Delhi, India
Staff quarters, JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, 110060, India
Lat 28.642447°
Long 77.191835°
09/09/24 03:09 PM GMT +05:30

DATE = 9/9/24
TIME = 2.00 PM
SEMINAR ROOM

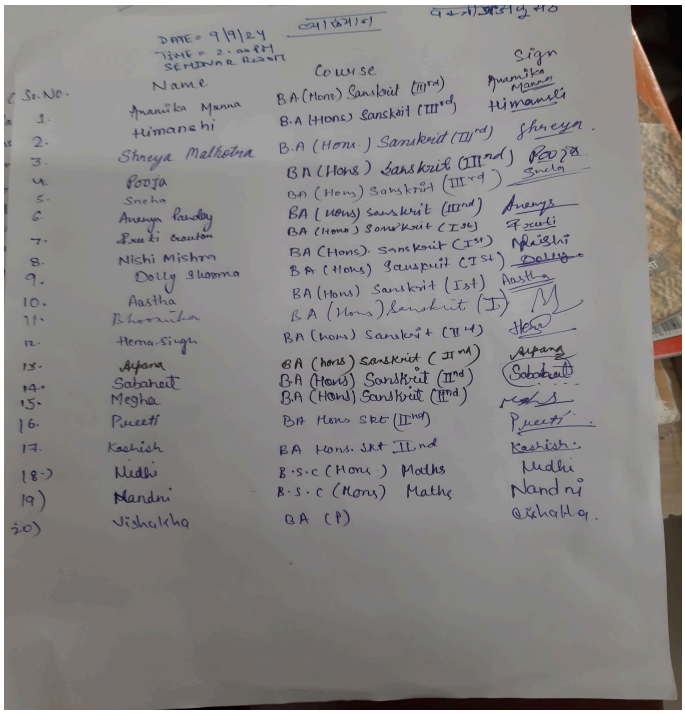

Sr. No.	Name	Course	Sign
1.	Ananika Manna	B.A. (Hons.) Sanskrit (III rd)	Ananika Manna
2.	Himanshi	B.A (Hons) Sanskrit (III rd)	Himanshi
3.	Shreya Malhotra	B.A (Hons.) Sanskrit (III rd)	Shreya.
4.	Pooja	B.A (Hons) Sanskrit (III rd)	Pooja
5.	Sneha	BA (Hons) Sanskrit (III rd)	Sneha
6.	Ananya Pandey	BA (Hons) Sanskrit (III rd)	Ananya
7.	Preeti Gautam	BA (Hons) Sanskrit (Ist)	Preeti
8.	Nishi Mishra	BA (Hons). Sanskrit (Ist)	Nishi
9.	Dolly Sharma	BA (Hons) Sanskrit (Ist)	Dolly
10.	Aastha	BA (Hons) Sanskrit (Ist)	Aastha
11.	Bhoomika	BA (Hons) Sanskrit (I)	[illegible]
12.	Hema Singh	BA (Hons) Sanskrit (II nd)	Hema
13.	Arpana	BA (Hons) Sanskrit (II nd)	Arpana
14.	Sabahat	B.A (Hons) Sanskrit (II nd)	Sabahat
15.	Megha	B.A (Hons) Sanskrit (II nd)	[illegible]
16.	Preeti	BA Hons Skt (II nd)	Preeti.
17.	Kashish	BA Hons. Skt II nd	Kashish.
18.)	Nidhi	B.S.C (Hons.) Maths	Nidhi
19)	Nandni	B.S.C (Hons) Maths	Nandni
20)	Vishakha	BA (P)	Vishakha.

कार्यक्रम	एनईपी कार्यान्वयन सत्र **(NEP Implementation Session)**
दिनांक	**1** अगस्त, **2024**
समय	**11:00** प्रात:
स्थान	कक्ष संख्या **39** ए

दिल्ली विश्वविद्यालय जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज में संस्कृत विभाग में IQACआईयूपीएसी के संयुक्त तत्वावधान में1 अगस्त 2024 को संस्कृत विभाग सदस्यों के लिए (NEP implementation Session) एनईपी कार्यान्वयन सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष में पढ़ाए जाने वाले पत्रों के (CA-Class Assessment) कक्षा मूल्यांकन अंको के विभाजन की चर्चा की गई । विभागाध्यक्षा महोदय ने बताया किस प्रकार से कक्षा मूल्यांकन के लिये छात्राओं से कक्षा में समय-समय पर परियोजना कार्य, कक्षा प्रस्तुतिकरण, कक्षा परीक्षण कार्य आदि के आधार पर अंक प्रदान कियें जाए। अन्त में धन्यवाद ज्ञापन के साथ सत्र का समापन किया गया।

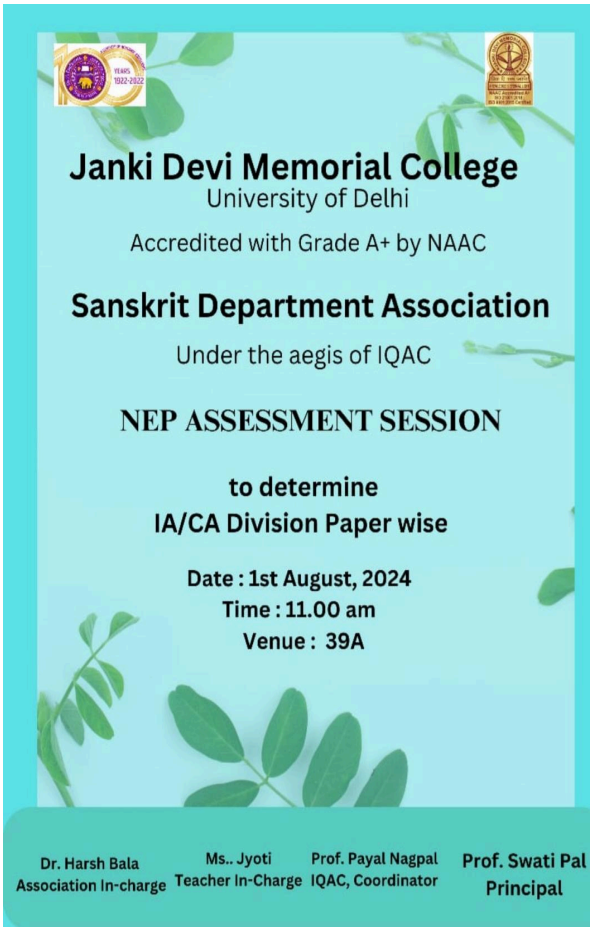

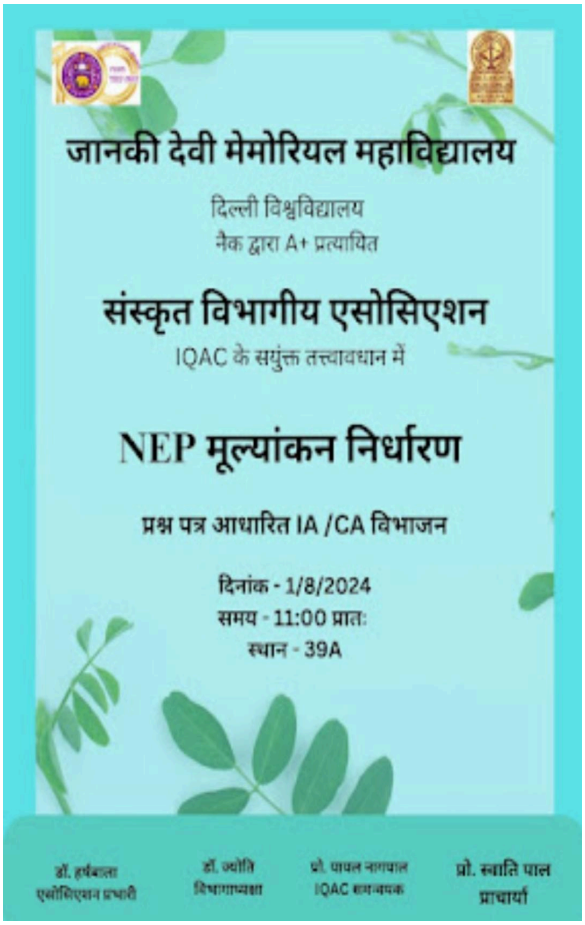

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
Staff quarters, JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, 110060, India
Lat 28.642136°
Long 77.19199°
01/08/24 01:32 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
Staff quarters, JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, 110060, India
Lat 28.642136°
Long 77.19199°
01/08/24 01:32 PM GMT +05:30
Google

कार्यक्रम	शिक्षण प्रविधि कार्यशाला
दिनांक	**14 -08- 2024**
तीनो सत्रों के वक्ता	प्रथम सत्र - प्रो.भारतेंदु पांडे, प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वितीय सत्र -डॉ. दिलीप जायसवाल, सहायक आचार्य, संस्कृत विभाग, दिल्ली तृतीय सत्र - प्रो. ओमनाथ बीमली, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
समय	**10:30** प्रात:
स्थान	सभागार कक्ष

दिल्ली विश्वविद्यालय के जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज के संस्कृत विभाग में 14 अगस्त, 2024 प्रातः 10:30 बजे एकदिवसीय शिक्षण प्रविधि कार्यशाला का आयोजन सेमिनार कक्ष में किया गया। कार्यशाला का आयोजन तीन सत्रों में किया गया। कार्यशाला के प्रथम सत्र का शुभारंभ मंगलाचरण से किया गया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र का संचालन डॉ.ज्योति महोदय ने किया एवं सभी का स्वागत करते हुए कार्यशाला का प्रारंभ किया । कार्यशाला के प्रथम सत्र में प्रथम वक्ता के रूप में प्रो.भारतेंदु पांडे, प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय को आमंत्रित किया गया। प्रथम सत्र में प्रो. भारतेंदु ने साहित्य सम्बंधी विशेष एवं महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की, शिक्षण प्रविधि के मुख्य तथ्यों को समझाया, जो निश्चित रूप से अध्यापकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिध्द हुए। डॉ. इंदु सोनी ने धन्यवाद ज्ञापित कर प्रथम सत्र का समापन किया ।

द्वितीय सत्र के वक्ता के रूप में विवेकानंद महाविद्यालय से डॉ. दिलीप जायसवाल, सहायक आचार्य. संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय उपस्थित रहे। डॉ ज्योति महोदय द्वारा वक्ता के स्वागत के साथ कार्यक्रम का आरंभ किया गया। द्वितीय सत्र में डॉ. दिलीप जायसवाल ने संस्कृत विशेष पाठ्यक्रम में पढ़ाई जाने वाले संस्कृत आख्यान(Sanskrit Narratology) विषय पर अपना व्याख्यान दिया एवं इस पत्र को किस प्रकार से पढ़ाया जाए यह बताया, महोदय ने सभी इकाइयों के विषयों की विस्तारपूर्वक चर्चा की। जो सभी के अत्यंत लाभकारी व्याख्यान रहा। डॉ. तनुजा रावल महोदया द्वारा धन्यवाद ज्ञापित कर द्वितीय सत्र का समापन किया गया । तृतीय सत्र का संचालन डॉ. हर्षबाला द्वारा किया गया । इस सत्र में वक्ता के रूप में प्रो. ओमनाथ बीमली, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय को आमंत्रित किया गया ।अतिथि के स्वागत के साथ सत्र का आरंभ किया गया। महोदय ने संस्कृत व्याकरण एवं दर्शन सम्बंधी मुख्य विषयों पर प्रकाश डाला एवं संवाद के रूप में शिक्षण प्रविधि को प्रतिपादित किया । महोदय ने अत्यंत गूढ विषयों का अति सरल एवं रुचिपरक ढंग में प्रस्तुतिकरण किया । मुख्य विषय के ज्ञानवर्धन की दृष्टि से यह सत्र भी अध्यापकों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ। एक दिवसीय शिक्षण प्रविधि कार्यशाला के अन्त में संस्कृत संघ प्रभारी डॉ. हर्षबाला ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया और अंत में शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया गया ।

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय

नेक द्वारा A+ प्रत्यायित

संस्कृत विभाग

(द्वारा IQAC के सयुंक्त तत्त्वावधान में आयोजित)

शिक्षण प्रविधि कार्यशाला

10:30 - 12:00
प्रो. ओमनाथ बिमली,
निदेशक, हिन्दू अध्ययन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय
एवं
विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

12:00 - 01:30
डॉ. दिलीप जायसवाल, सहायक-आचार्य
विवेकानंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

02:00 - 03:30
प्रो. भारतेंदु पाण्डेय, प्रोफेसर
संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

स्थान : सेमिनार कक्ष
दिनांक : 14 अगस्त, 2024
समय : 10:30 प्रातः से प्रारम्भ

डॉ. हर्षबाला	डॉ. ज्योति	प्रो. पायल नागपाल	प्रो. स्वाति पाल
एसोसिएशन प्रभारी	विभागाध्यक्षा	(IQAC समन्वयक)	प्राचार्या

JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE

UNIVERSITY OF DELHI

A+ accredited by NAAC

Sanskrit Department

in collaboration of IQAC

Organizes

Pedagogy workshop for faculty

10:30 to 12:00

Prof. Om Nath Bimali
Director, Centre for Hindu Studies, DU
&
Head, Sanskrit Department, DU

12:00 to 1:30

Dr. Dilip Jayaswal
Assistant Professor, Sanskrit Department
Vivekananda College, DU

2:00 to 3:30

Prof. Bhartendu Pandey
Professor, Sanskrit Department, DU

Venue : Seminar Room
Date : 14 August , 2024
Time : 10:30 AM onwards

DR. HARSH BALA	DR. JYOTI	PROF. PAYAL NAGPAL	PROF. SWATI PAL
ASSOCIATION INCHARGE	TEACHER INCHARGE	IQAC COORDINATOR	PRINCIPAL

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
Staff quarters, JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, 110060, India
Lat 28.642286°
Long 77.19177°
14/08/24 12:32 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
Staff quarters, JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, 110060, India
Lat 28.642286°
Long 77.19177°
14/08/24 04:56 PM GMT +05:30
Google

विद्या हि परमं ज्योतिः
KNOWLEDGE IS ETERNAL LIGHT
Awaken the Light Within
GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
MAIN CAMPUS, JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE, J.D.M.C Rd, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, 110001, India
Lat 28.641905°
Long 77.191396°
14/08/24 05:17 PM GMT +05:30
Google

कार्यक्रम	व्याख्यान -प्रगतिपथि संस्कृतम् अथ च संस्कृतक्षेत्रे अवसरा: (विश्व संस्कृत दिवस)
वक्ता	श्री कौशल किशोर तिवारी, प्रशिक्षण प्रमुख संस्कृत भारती
दिनांक	**22-08- 2024**
समय	**11:00** प्रात:
स्थान	कक्ष संख्या **39** ए

22-08-2024 को विश्व संस्कृत सप्ताह के उपलक्ष्य में दिल्ली विश्वविद्यालय के जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय में संस्कृत विभाग और आईक्यूएसी के संयुक्त तत्त्वावधान में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संस्कृत भारती संघटन के उत्तरक्षेत्र प्रशिक्षण प्रमुख श्रीमान् कौशल किशोर तिवारी जी वक्ता के रूप में विद्यमान रहे । कार्यक्रम का शुभारम्भ मंगलाचरणपूर्वक दीप प्रज्वलित करके सरस्वती वन्दना से किया गया। उसके बाद कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रविदत्त शर्मा ने अतिथि परिचय और वाचिक स्वागत किया। विभाग की आचार्या डॉ. तनुजा रावल ने पौधे और पुष्पगुच्छ से अतिथियों को सम्मानित किया । इसके बाद श्रीमान् कौशल किशोर जी ने "प्रगतिपथि संस्कृतम् अथ च संस्कृतक्षेत्रे अवसराः" इस विषय पर अपने विचार अभिव्यक्त किए । भारत के निरन्तर विकास में संस्कृत के योगदान पर भी चर्चा हुई । महोदय ने कहा कि संस्कृत विद्यार्थियों के लिए पूरे विश्व में कहीं भी निरुद्यमिता नहीं है। उनके विचारों से उपस्थित सभी आचार्य और विद्यार्थी अत्यन्त प्रभावित हुए। अध्यक्षीय उद्बोधन और धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्षा डॉ. ज्योति के द्वारा किया गया। मंच संचालन विभाग की छात्रा अनामिका मन्ना के द्वारा किया गया। अन्त में कल्याण मन्त्र और प्रसाद वितरण के साथ सभा का विसर्जन हुआ।

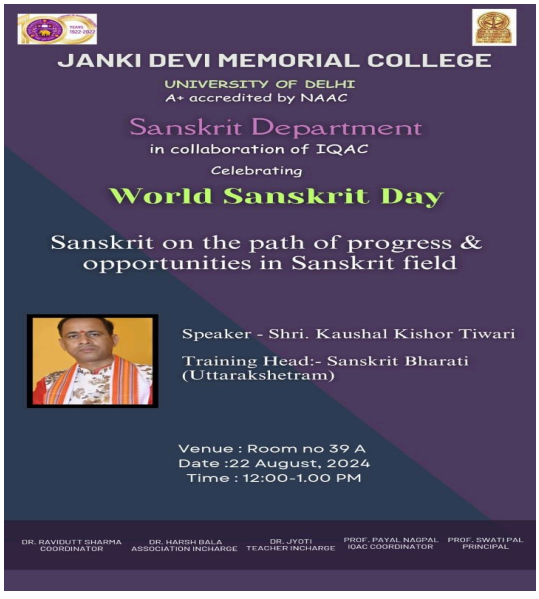

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
MAIN CAMPUS, JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE, J.D.M.C Rd, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, 110001, India
Lat 28.641982°
Long 77.191672°
22/08/24 12:47 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
MAIN CAMPUS, JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE, J.D.M.C Rd, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, 110001, India
Lat 28.642083°
Long 77.191753°
22/08/24 12:15 PM GMT +05:30
Google

मीडिया कवरेज़

भारतस्य प्रगतिपथि संस्कृतम् अनवरतम् उद्यमावसरं समुत्पादयन् अस्ति - श्रीमान् कौशलकिशोरतिवारी

गुरुवासरे संस्कृतसप्ताहस्यान्तिमे दिने विश्वसंस्कृत-सप्ताहम् उपलक्ष्य दिल्लीविश्वविद्यालयस्य जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालये संस्कृतविभागेन आईक्यूएसी इत्यनयोः संयुक्ततत्त्वावधाने विशिष्टव्याख्यानस्य आयोजनम् अभवत् । अस्मिन् कार्यक्रमे संस्कृतभारत्याः उत्तरक्षेत्रस्य प्रशिक्षणप्रमुखः श्रीमान् कौशलकिशोरतिवारीमहोदयः वक्तृरूपेण समुपस्थितः । कार्यक्रमस्य शुभारम्भः मङ्गलाचरणपुरस्सरं दीपप्रज्वालनेन सरस्वतीवन्दनया च जातम् । तत्पश्चात् कार्यक्रमस्य संयोजकेन डॉ रविदत्तशर्मणा अतिथिपरिचयः वाचिकं स्वागतं च कृतम् । विभागस्य आचार्या डॉ. तनुजा रावलमहोदया पादपेन अतिथीनां सम्माननं कृतवती। तदानीं तिवारीमहोदयेन "प्रगतिपथि संस्कृतम् अथ च संस्कृतक्षेत्रे अवसराः" इति विषयं स्वीकृत्य स्वविचाराः प्रकटिताः। भारतस्य नैरन्तर्येण विकासे संस्कृतभाषायाः अवदानमपि चर्चितम् । महोदयेन उक्तं यत् संस्कृतच्छात्राणां कृते विश्वे कुत्रापि निरुद्यमिता नास्ति। । अध्यक्षीयम् उद्बोधनं धन्यवादज्ञापनं च संस्कृतविभागाध्यक्षा डॉ. ज्योतिमहोदया कृतवती । अन्ते कल्याणमन्त्रेण प्रसादवितरणेन च सभायाः विसर्जनम् अभवत् । मञ्चसञ्चालनं विभागस्य छात्रया अनामिकामन्नया कृतम् । कार्यक्रमेऽस्मिन् यासु दिव्या, खुशी, सोनिया, हेमा, अल्पना, किरण, सबाहत, प्रीति, कशिश, पुष्पा, हिमांशी, भूमि, निष्ठा, मेघा, भूमिका, पूजा आद्याः समुपस्थिताः आसन्।

हिमसंस्कृतवार्ताः नवदेहली

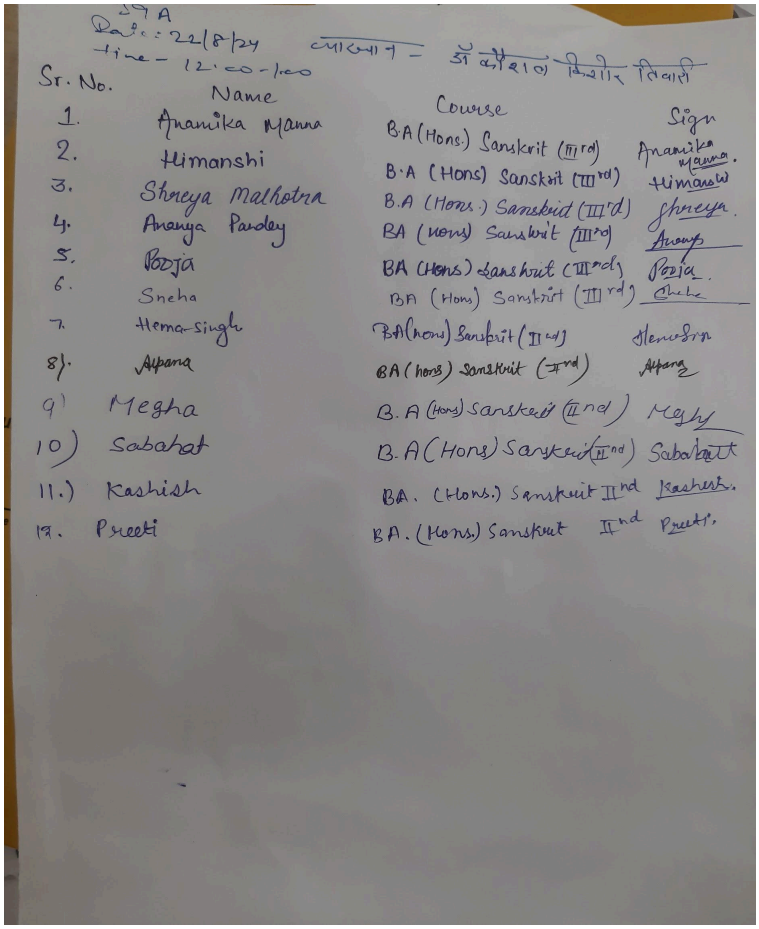

Date: 22/8/24
time - 12:00-1:00

व्याख्यान - डॉ कौशल किशोर तिवारी

Sr. No.	Name	Course	Sign
1.	Anamika Manna	B.A (Hons.) Sanskrit (IIIrd)	Anamika Manna.
2.	Himanshi	B.A (Hons) Sanskrit (IIIrd)	Himanshi
3.	Shreya Malhotra	B.A (Hons.) Sanskrit (III'rd)	Shreya.
4.	Ananya Pandey	BA (Hons) Sanskrit (IIIrd)	Ananya
5.	Pooja	BA (Hons) Sanskrit (IIIrd)	Pooja.
6.	Sneha	BA (Hons) Sanskrit (IIIrd)	Sneha
7.	Hema-singh	BA(hons) Sanskrit (IInd)	HemaSingh
8).	Alpana	BA (hons) Sanskrit (IInd)	Alpana
9)	Megha	B.A (Hons) Sanskrit (IInd)	Megha
10)	Sabahat	B.A (Hons) Sanskrit (IInd)	Sabahat
11.)	Kashish	BA. (Hons.) Sanskrit IInd	Kashish.
12.	Preeti	B.A. (Hons.) Sanskrit IInd	Preeti.

कार्यक्रम	व्याख्यान - न्याय वैशेषिक दर्शन में तत्वमीमांसा (विश्व संस्कृत दिवस)
वक्ता	डॉ विकास सिंह,संस्कृत विभाग, विभागाध्यक्ष, मारवाड़ी महाविद्यालय, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय
दिनांक	**23-08-2024**
समय	**11:00** प्रात:
स्थान	कक्ष संख्या **39** ए

विश्व संस्कृत सप्ताह के उपलक्ष्य में दिल्ली विश्वविद्यालय के जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय में संस्कृत विभाग और आईक्यूएसी के संयुक्त तत्त्वावधान में 23 अगस्त, 2024 को पाठ्यक्रम आधारित व्याख्यान विषय : न्याय वैशेषिक दर्शन में तत्वमीमांसा पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. विकास सिंह, सहायक अध्यापक एवं विभागाध्यक्ष संस्कृत विभाग, मारवाड़ी महाविद्यालय, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया । सर्वप्रथम तृतीय वर्ष की छात्रा अनामिका मन्ना के द्वारा मंगलाचरण किया गया । तत्पश्चात मुख्य अतिथि के स्वागत के साथ व्याख्यान का प्रारम्भ किया गया। महोदय ने कहा कि न्याय और वैशेषिक भारतीय दर्शन की दो महत्वपूर्ण शाखाएं हैं। जहां न्याय दर्शन तार्किकता और प्रमाण पर आधारित है, वहीं वैशेषिक दर्शन सृष्टि के मौलिक तत्वों और परमाणुवाद पर केंद्रित है। दोनों दर्शनों ने भारतीय दार्शनिक परंपरा में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। इन तत्वों के माध्यम से तत्त्वज्ञान प्राप्त कर जीवन की उच्चतम स्थिति निःश्रेयस को प्राप्त किया जा सकता है। यह व्याख्यान छात्राओं के लिए अत्यंत उपयोगी एवं लाभकारी सिद्ध हुआ। अन्त में धन्यवाद ज्ञापन व शन्ति पाठ के साथ कार्यक्रम का सफलता पूर्वक समापन किया गया ।

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय
NAAC द्वारा A+ प्रत्यायित
संस्कृत विभाग
द्वारा IQAC के संयुक्त तत्त्वावधान में
आयोजित पाठ्यक्रम आधारित व्याख्यान
विषय : न्याय वैशेषिक दर्शन में तत्वमीमांसा
वक्ता - डॉ. विकास सिंह
सहायक- अध्यापक एवं विभागाध्यक्ष
संस्कृत विभाग, मारवाड़ी महाविद्यालय
ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय
स्थान - कक्ष संख्या -39A
दिनाँक - 23 अगस्त, 2024
समय - 12:00 से 1:00
डॉ. राजेंद्र कुमार संयोजक
डॉ. हर्षबाला असोसिएशन प्रभारी
डॉ. ज्योति विभागाध्यक्षा
प्रो. पायल नागपाल IQAC समन्वयक
प्रो. स्वाति पाल प्रधानाचार्या

JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI
A+ accredited by NAAC
Sanskrit Department
in collaboration of IQAC
Organises a syllabus based talk
Metaphysics in Nyaya Vaisheshika Philosophy
Speaker - Dr. Vikas Singh
Assistant Professor & Head
Department of Sanskrit
Marwari College
Lalit Narayan Mithila University
Venue : Room no 39 A
Date : 23 August, 2024
Time : 12:00-1.00 PM
DR. RAJENDER KUMAR COORDINATOR
DR. HARSH BALA ASSOCIATION INCHARGE
DR. JYOTI TEACHER INCHARGE
PROF. PAYAL NAGPAL IQAC COORDINATOR
PROF. SWATI PAL PRINCIPAL

LIGHTS
Camera

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
MAIN CAMPUS, JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE, J.D.M.C Rd, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, 110001, India
Lat 28.642084°
Long 77.191701°
23/08/24 01:07 PM GMT +05:30
Google

Media coverage

दैनिक भास्कर दरभंगा भास्कर 24-08-2024

न्याय और वैशेषिक भारतीय दर्शन की दो महत्वपूर्ण शाखाएं : डॉ. विकास

कॉलेज में सेमिनार का किया गया आयोजन, वक्ताओं ने रखे विचार

एजुकेशन रिपोर्टर | दरभंगा

मारवाड़ी महाविद्यालय के संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. विकास सिंह ने दिल्ली विश्वविद्यालय के जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज में न्याय और वैशेषिक दर्शनों की तत्वमीमांसा पर आयोजित सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा कि न्याय और वैशेषिक भारतीय दर्शन की दो महत्वपूर्ण शाखाएं हैं। जहां न्याय दर्शन तार्किकता और प्रमाण पर आधारित है, वहीं वैशेषिक दर्शन सृष्टि के मौलिक तत्वों और परमाणुवाद पर केंद्रित है। दोनों दर्शनों ने भारतीय दार्शनिक परंपरा में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। इन तत्वों के माध्यम से तत्वज्ञान प्राप्त कर जीवन की उच्चतम स्थिति निःश्रेयस को प्राप्त किया जा सकता है। \'सर्वेषां सप्तस्वेवान्तर्भावः\' सूत्र में कहा

व्याख्यान में शामिल डॉ विकास सिंह व अन्य।

गया है कि न्याय के सभी 16 पदार्थों का अंतर्भाव वैशेषिक के सप्त पदार्थों में ही हो जाता है। न्याय और वैशेषिक, दोनों ही प्रणालियां हमें यह सिखाती हैं कि सत्य की खोज में तर्क और प्रमाण महत्वपूर्ण हैं। कार्यक्रम का संचालन करते हुए संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ राजेंद्र कुमार ने कहा कि न्याय-वैशेषिक का उद्भव मिथिला की धरती से हुआ है। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग प्रभारी एवं सह आचार्या डॉ ज्योति, डॉ तनूजा रावल, डॉ हर्षबाला आदि शिक्षक और अनामिका, अनन्या, श्रेया, पूजा समेत 40 से अधिक छात्राएं उपस्थित थीं।

भारतीयज्ञानपरम्परायाः अमूल्या धरोहरौ न्यायः, वैशेषिकदर्शनञ्च- डॉ. विकासः सिंहः

- मारवाड़ीमहाविद्यालयस्य संस्कृतविभागाध्यक्षः डॉ. विकासः सिंहः दिल्ली विश्वविद्यालयस्य जानकीदेवी- मेमोरियलमहाविद्यालये व्याख्यानं प्रदत्तवान्।
- न्याय- वैशेषिकदर्शनं भारतीयबुद्धिमत्तायाः दिग्दर्शनं करोति- प्रो. स्वातिः पालः।
- न्याय- वैशेषिकयोः उद्भवः मिथिलायाः भूमेः जातः इति- डॉ. राजेन्द्रकुमारः।

मारवाड़ीमहाविद्यालयस्य संस्कृतविभागाध्यक्षः डॉ. विकासः सिंहः दिल्लीविश्वविद्यालयस्य जानकीदेवी-मेमोरियलमहाविद्यालये न्याय- वैशेषिकदर्शनयोः तत्त्वमीमांसायाः विशिष्टं व्याख्यानं प्रदत्तवान्। सः उक्तवान् यत् न्यायः च वैशेषिकं भारतीयदर्शनस्य द्वे महत्वपूर्णे शाखे स्तः। यत्र न्यायदर्शनं तर्कं च प्रमाणे आधारितम् अस्ति, तत्र वैशेषिकदर्शनं सृष्टेः मौलिकतत्त्वेषु परमाणुवादे च केन्द्रितम् अस्ति। वैशेषिकदर्शनस्य संदर्भे महर्षिः कणादः वैशेषिकसूत्रे उल्लेखनीयं कार्यं कृतवान्। कणादेन सृष्टेः संरचना "धर्मविशेषप्रसूतात् द्रव्यगुणकर्मसामान्य- विशेषसमवायानां पदार्थानां साधर्म्यवैधर्म्याभ्यां तत्त्वज्ञानान्निःश्रेयसम्" (वैशेषिकसूत्रम्, १/१/४) सूत्रेण स्पष्टं कृतम्, यत्र सृष्टेः षट् प्रमुखतत्त्वानां- द्रव्यं, गुणः, कर्म, सामान्यं, विशेषः, च समवायः वर्णनं कृतम्। परवर्तिकाले शिवादित्येन सप्तमं पदार्थं अभावं स्वतंत्रतया स्वीकृतवान्। अन्यस्मिन्पार्थे, न्यायदर्शने आचार्यः गौतमः "प्रमाण- प्रमेय- संशय- प्रयोजन- दृष्टान्त- सिद्धान्त- अवयव- तर्क- निर्णय- वाद- जल्प- वितण्डा- हेत्वाभास- छल- जाति- निग्रहस्थानानां तत्त्वज्ञानान्निश्रेयसधिगमः" (न्यायसूत्रम्, १/१/१) सूत्रेण षोडश प्रमुखतत्त्वानां व्याख्यानं कृतवान्। एतेषु तत्त्वेषु तत्त्वज्ञानं प्राप्य जीवनस्य उच्चतमा स्थितिः 'निःश्रेयसम्' प्राप्यते। "सर्वेषां सप्तस्वेवान्तर्भावः" सूत्रेण उक्तं यत् न्यायस्य सर्वे षोडश पदार्थाः वैशेषिकस्य सप्त पदार्थेषु एव अन्तर्भवन्ति। कार्यक्रमस्य अध्यक्षता महाविद्यालयस्य प्राचार्या प्रो. स्वाति पालः कृतवती। सा न्याय-वैशेषिकदर्शनस्य महत्वं उद्घाट्य उक्तवती यत् एते दर्शनपरम्पराः न केवलं भारतीयदर्शनस्य अध्ययनाय सहायकाः, अपि तु अस्माकं बौद्धिक-अध्यात्मिकविकासे अपि महत्वपूर्णं भूमिकां वहन्ति। न्याय-वैशेषिकं उभे दर्शने अस्मान् शिक्षेते यत् सत्यस्य अन्वेषणे तर्कः च प्रमाणं च अत्यन्तं महत्वपूर्णौ स्तः।

कार्यक्रमस्य संचालनं कृत्वा संस्कृतविभागस्य सहायकाचार्यः डॉ. राजेन्द्रकुमारः उक्तवान् यत् न्याय-वैशेषिकयोः उद्भवः मिथिलायाः भूमेः जातः, डॉ. विकासश्च मिथिलातः अस्माकं मध्ये आगतः। सः छात्राणां तर्कसंग्रहं तर्कभाषां च गंभीरतया अध्ययनं कर्तुं प्रेरितवान्। कार्यक्रमे संस्कृतविभागस्य प्रभारी सहाचार्या डॉ. ज्योतिः, डॉ. तनुजारावलः, डॉ. हर्षबाला इत्यादयः शिक्षकाः, अनामिका, अनन्या, श्रेया, पूजा इत्यादयः चत्वारिंशत् अधिकाः छात्राः च उपस्थिताः आसन्।

भारतीय ज्ञान परम्परा की अनमोल धरोहर हैं न्याय और वैशेषिक दर्शन–डॉ. विकास सिंह

दरभंगा । मारवाड़ी महाविद्यालय के संस्कृत विभागाध्यक्ष डा विकास सिंह ने दिल्ली विश्वविद्यालय के जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज में न्याय और वैशेषिक दर्शनों की तत्त्वमीमांसा पर विशिष्ट व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि न्याय और वैशेषिक भारतीय दर्शन की दो महत्वपूर्ण शाखाएँ हैं। जहाँ न्याय दर्शन तार्किकता और प्रमाण पर आधारित है, वहीं वैशेषिक दर्शन सृष्टि के मौलिक तत्त्वों और परमाणुवाद पर केंद्रित है। दोनों दर्शनों ने भारतीय दार्शनिक परंपरा में अपनी अमिट छाप छोड़ी है।

वैशेषिक दर्शन के संदर्भ में महर्षि कणाद का वैशेषिकसूत्र उल्लेखनीय है। कणाद ने सृष्टि की संरचना को 'धर्मविशेषप्रसूतात् द्रव्यगुणकर्मसामान्य–विशेषसमवायानां पदार्थानां साधर्म्यवैधर्म्याभ्यां तत्त्वज्ञानान्नि:श्रेयसम्' (वैशेषिकसूत्र, 1/1/4) सूत्र के माध्यम से स्पष्ट किया है, जिसमें सृष्टि के छह प्रमुख तत्त्वों–द्रव्य, गुण, कर्म, सामान्य, विशेष, और समवाय का वर्णन किया गया है। परवर्ती काल में शिवादित्य ने सातवां पदार्थ अभाव को स्वतंत्र स्वीकार किया।

दूसरी ओर, न्याय दर्शन में आचार्य गौतम ने 'प्रमाण प्रमेयसंशयप्रयोजनदृष्टान्त सिद्धान्ता वयवतर्कनिर्णयवाद जल्पवितण्डाहेत्वा भासच्छलजाति निग्रहस्थानानां तत्त्वज्ञानान्नि श्रेयसधिगमः' (न्यायसूत्र, 1/1/1) के माध्यम से 16 प्रमुख तत्त्वों की व्याख्या की है। इन तत्त्वों के माध्यम से तत्त्वज्ञान प्राप्त कर जीवन की उच्चतम स्थिति श्नि:श्रेयसश को प्राप्त

किया जा सकता है। ष्सर्वेषां सप्तस्वेवान्तर्भावष सूत्र में कहा गया है कि न्याय के सभी 16 पदार्थों का अन्तर्भाव वैशेषिक के सप्त पदार्थों में ही हो जाता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. स्वाति पाल ने की। उन्होंने न्याय–वैशेषिक दर्शन के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इन दार्शनिक प्रणालियों का अध्ययन न केवल भारतीय दर्शन को समझने में सहायक है, बल्कि यह हमारे बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। न्याय और वैशेषिक, दोनों ही प्रणालियाँ हमें यह सिखाती हैं कि सत्य की खोज में तर्क और प्रमाण महत्वपूर्ण हैं।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ राजेंद्र कुमार ने कहा कि न्याय–वैशेषिक का उद्‌भव मिथिला की धरती से हुआ है और डॉ विकास जी हमारे बीच मिथिला से पधारे हैं। उन्होंने न्याय और वैशेषिक के ग्रंथ तर्कसंग्रह और तर्कभाषा को गंभीरता के साथ अध्ययन करने के लिए छात्राओं को प्रेरित किया।

कार्यक्रम में संस्कृत विभाग प्रभारी एवं सह आचार्या डॉ ज्योति, डॉ तनूजा रावल, डॉ हर्षबाला आदि शिक्षक और अनामिका, अनन्या, श्रेया, पूजा आदि 40 से अधिक छात्राएं उपस्थित थीं।

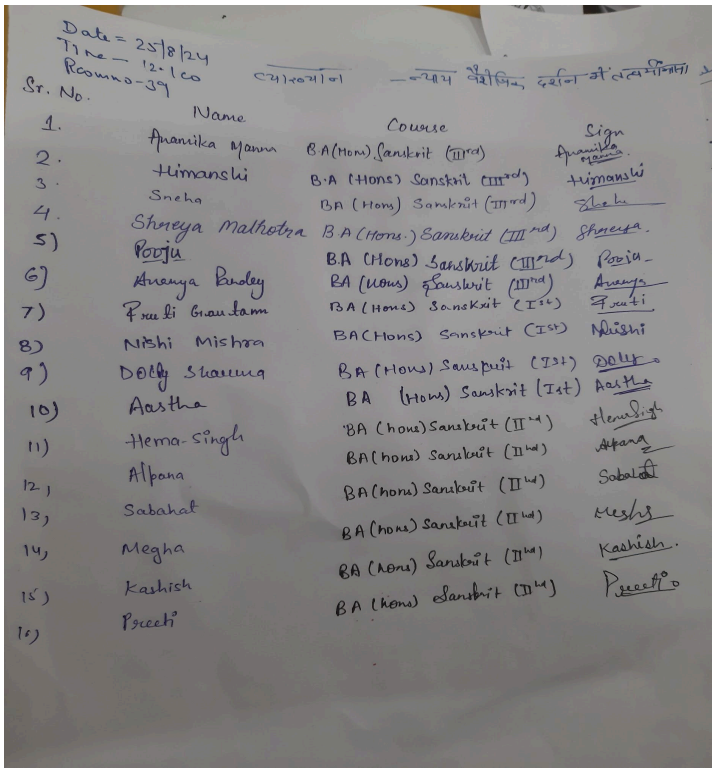

Date = 25/8/24
Time – 12.100
Roomno-39

व्याख्यान – न्याय वैशेषिक दर्शन में तत्वमीमांसा

Sr. No.	Name	Course	Sign
1.	Anamika Manna	B.A (Hons) Sanskrit (IIIrd)	Anamika Manna
2.	Himanshi	B.A (Hons) Sanskrit (IIIrd)	Himanshi
3.	Sneha	BA (Hons) Sanskrit (IIIrd)	Sneha
4.	Shreya Malhotra	B.A (Hons.) Sanskrit (IIIrd)	Shreya
5)	Pooja	B.A (Hons) Sanskrit (IIIrd)	Pooja
6)	Ananya Pandey	BA (Hons) Sanskrit (IIIrd)	Ananya
7)	Pruti Gautam	BA (Hons) Sanskrit (Ist)	Pruti
8)	Nishi Mishra	BA (Hons) Sanskrit (Ist)	Nishi
9)	Dolly Sharma	BA (Hons) Sanskrit (Ist)	Dolly
10)	Aastha	BA (Hons) Sanskrit (Ist)	Aastha
11)	Hema Singh	BA (hons) Sanskrit (IInd)	HemaSingh
12)	Alpana	BA (hons) Sanskrit (IInd)	Alpana
13)	Sabahat	BA (hons) Sanskrit (IInd)	Sabahat
14)	Megha	BA (hons) Sanskrit (IInd)	Megha
15)	Kashish	BA (hons) Sanskrit (IInd)	Kashish
16)	Preeti	BA (hons) Sanskrit (IInd)	Preeti